वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष - 2023-24

राजनीति विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय - राजनीति विज्ञान विभाग में स्नातक स्तर पर अध्ययन महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1957 से प्रारंभ हुआ तथा स्नात्कोत्तर कक्षाओं का अध्यापन 1982 से प्रारम्भ किया गया |

स्वीकृत पद - राजनीति विज्ञान विभाग में 1 प्राध्यापक एवं 4 सहायक प्राध्यापक पद स्वीकृत हैं, विभाग में कार्यरत प्राध्यापक/ सहायक प्राध्यापक -

1. डॉ. अंजना ठाकुर - प्राध्यापक
2. डॉ. अमिता बख्शी - प्राध्यापक
3. डॉ. राजकुमार बंजारे - सहायक प्राध्यापक
4. श्री संजय सप्तर्षि - सहायक प्राध्यापक
5. श्री दीपक कुमार - अतिथि व्याख्याता

राजनीति विज्ञान परिषद का गठन - विभाग के गतिविधियो को संचलित करने हेतु स्नातक और स्नात्कोत्तर परिषद का गठन दिनांक 26/09/2023 को किया गया। परिषद में छात्र- छात्रए विभिन्न पदो के लिए गुणानुक्रम के आधार पर मनोनीत किया गया - अध्यक्ष- सुरेखा सोरी, उपाअध्यक्ष-कोयना श्रीवास, महासचिव- गीतांजलि साहू, सचिव- अमन साहू, कोषाध्यक्ष- मोना यादव, अयोजक प्रभारी प्रचार प्रसार- डॉली, सपना को मनोनित किया गया|

पाठ्यक्रम समिति की बैठक - दिनांक 15/05/2023 को पाठ्यक्रम समिति की बैठक अयोजित किया गया जिसमें प्रधानाचार्य (शास. डॉ. बी.आर.अंबेडकर महा. डोंगरगांव) से डॉ. बी.एन. मेश्राम और डॉ. नागरत्ना गणवीर प्रभारी प्रचार्य (शास. महा. रिसाली) एवम विभाग के सभी सदस्य उपस्थित रहे। इसमे CBCS एवम NEP 2020 के तहत चर्चा कर पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया।

<u>वृक्षारोपणः</u> - महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपणः का अयोजन किया गया जिसमें संकल्प लेकर छात्र- छात्रए प्राध्यापक/ सहायक प्राध्यापक द्वारा वृक्ष लगाकर वृक्षारोपणः किया गया|

<u>राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मानव अधिकार शिक्षा पर 3 दिवस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला</u> - विषय विशेषज्ञ के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानव अधिकार प्रशिक्षण परामर्शदाता व्याख्याता विश्व व कई देशो में कार्य कर चुकी सुश्री शालीनदास उपस्थित रही जिन्होने मानव अधिकार व इतिहास एवम इसके संरक्षण किये गए उपायो को बताया |

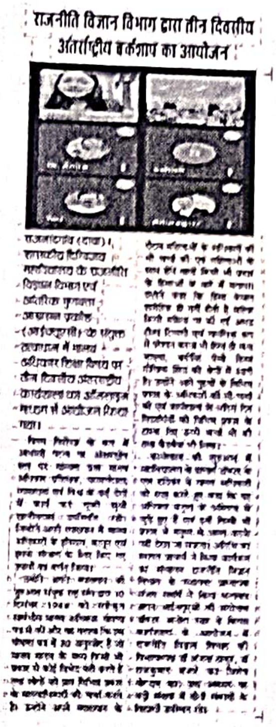

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्कशाप का आयोजन

अन्तरविषयक व्याख्यान

<u>**प्रो . हीरेन्द्र ठाकुर**</u> - प्रो हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, सहायक प्राध्यापक,इतिहास विभाग ने 1857 की क्रांति पर विचार व्यक्त किया |उन्होंने कहा की 1857 की क्रांति भारत की प्रथम स्वतंत्रता क्रांति थी जिससे भारतीयों मे राष्ट्रीय एकता की भावना का उदय हुआ और वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकजुट हुए हालकि ये आंदोलन सफल न हो सका परंतु भारत मे राष्ट्रवाद की नीव का श्रेय इसी आंदोलन को जाता है।

<u>**डॉ. दिव्या देशपांडे**</u> - डॉ. दिव्या देशपांडे, विभागाध्यक्ष,संस्कृत विभाग ने मनु के राजधर्म के विषय पर व्याख्यान दिया और कहा कि प्राचीन भारतीय राजनीति विचारकों मे मनु के विचार अति महत्वपूर्ण है, जो आज भी प्रासंगिक है |उन्होंने

कहा की मनु ने राज्य के सात अंगों की चर्चा की थी जिसमे राजा इन अंगों मे सबसे महत्वपूर्ण है बाकी अन्य अंग उसकी सहायता करते है जिससे राज्य अपने उद्देश्य को प्राप्त करता है।

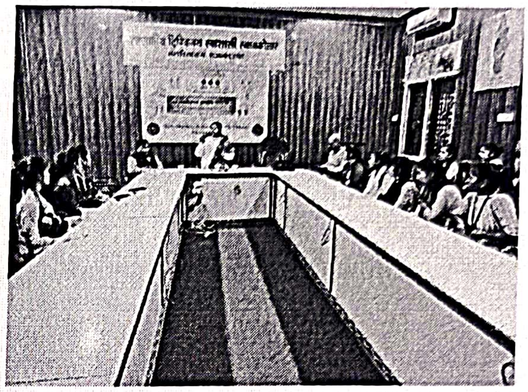

<u>**डॉ. एच.एस. अलरेजा**</u> - गांधी का दर्शन आज भी प्रासंगिक

डॉ. एच.एस. अलरेजा,विभागाध्यक्ष,दर्शन विभाग ने कहा की गांधी के मूल्य एवं जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है आज जब सब जगह हिंसा का वातावरण तब गांधी के अहिंसक एवं शांतिवादी दर्शन ही विश्व को एक नई दिशा दिखाता है जिसमे मानव कल्याण निहित है। वास्तव मे गाँधीवादी मूल्य मनसा, वाचा और कर्मणा पर आधारित है जिसके निर्वहन से व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकता है।

<u>श्रीमति ललिता साहू</u> - श्रीमति ललिता साहू,सहायक प्राध्यापक,समाजशास्त्र विभाग, ने समाजशास्त्र और राजनीति विषय पर अपने विचार रखे उन्होंने कहा की समाजशास्त्र का संबंध समाज से है जो लोगों से मिलकर बनता है जहा व्यक्ति विभिन्न भूमिकाओ मे रहता है,मनुष्य एक सामाजिक प्राणी तो है ही साथ ही साथ वो एक राजनीतिक प्राणी भी है, समाज मे रहते हुए वह अपनी राजनीतिक भूमिका का निर्वहन भी करता है। समाज और रजिनीति एक दूसरे को प्रभावित करते है, जहा राजनीति के निर्णय सामाजिक प्रक्रिया को गतिशील करते है वही सामाजिक प्रतिक्रिया भी राजनीति मे बदलाव लाती है।

<u>अतिथि व्याख्यान -</u>

1. **<u>डॉ. संगीता घई</u>** - दिनांक 26/09/2023 को डॉ. संगीता घई,प्रचार्य,डागा पी.जी.कॉलेज, रायपुर के द्वारा भारत अमेरिका संबंध पर व्याख्यान दिया गया | उन्होंने कहा की भारत और अमेरिका दोनों एक लोकतान्त्रिक देश है जहा अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र है वही भारत विश्व सबसे बडा लोकतंत्र है और दोनों एक दूसरे के स्वाभाविक मित्र है, दोनों मे घनिष्टता शीतयुद्ध के बाद बढ़ी।

2. **<u>डॉ. नागरत्ना गणवीर</u>** - दिनांक 27/09/2023 को प्रभारी प्रचार्य (शास. महा. रिसाली) के द्वारा संसदीय शासन प्रणाली पर व्याख्यान दिया गया |

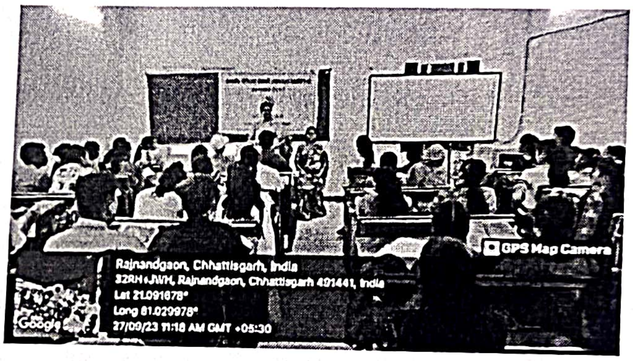

3. **<u>डॉ. शकील हुसैन</u>** - शास. वी.वाई.टी. पी.जी. स्व. महा. दुर्ग के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख द्वारा आधुनिक राजनीति विज्ञान की वैज्ञानिकता पर व्याख्यान दिया गया |

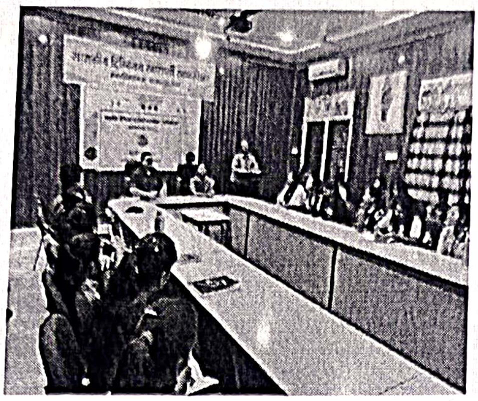

राजनीति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

राजनांदगांव । शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के मार्गदर्शन और विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के निर्देशन में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय राजनीति विज्ञान की वैज्ञानिकता और आधुनिक राजनीति विज्ञान रहा, विषय विशेषज्ञ डॉ शकील हुसैन, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, वी. वाई. टी.विज्ञान महाविद्यालय , दुर्ग थे जिन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि किसी भी विषय वस्तु की प्रामाणिकता विज्ञान की कसौटी पर ही परखी जा सकती है चुकी राजनीति विज्ञान प्राकृतिक विज्ञान की तरह विज्ञान नही है फिर भी आधुनिक राजनीति विज्ञान कुछ हद तक विज्ञान है क्योंकि उसमे भी कुछ गुण विज्ञान के है जैसे कार्य एवं कारण में संबंध, भविष्यवाणी करने की क्षमता, क्रमबद्ध अध्ययन आदि, इस आधार पर राजनीति विज्ञान को विज्ञान माना जा सकता है, 20वी सदी में व्यवहारवाद के उदय ने इसे विज्ञान की ओर मोड़ा । उन्होंने राजनीति विज्ञान की शोध प्रविधि की भी चर्चा की। सर्वप्रथम अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने किया, संचालन प्रो संजय सप्तर्षि ने किया एवं धन्यवाद श्री दीपक कुमार ने किया। उक्त अवसर पर स्नातकोत्तर प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर आयोजन - 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस आयोजन विद्यार्थियों द्वारा किया गया |

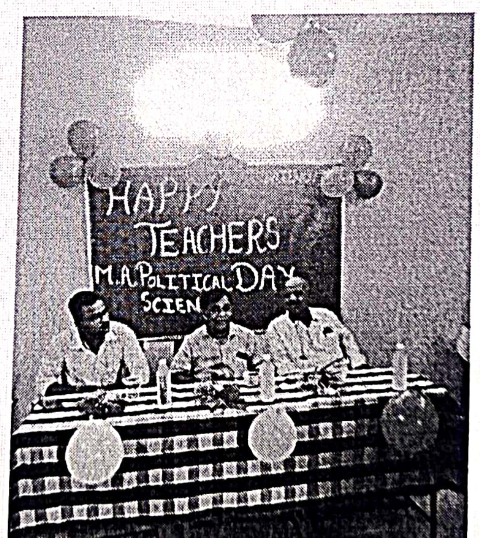

<u>नेट-सेट और शोध पद्धति पर 7 दिवस राष्ट्रीय कार्यशाला</u> - दिनांक 16/10/2023 से 21/10/2023 तक शास. दिग्विजय स्व.पी.जी. महा. राजनांदगांव के_प्रचार्य_डॉ. के.एल. टांडेकर के आतिथ्य में नेट-सेट और शोध पद्धति पर 7 दिवस_राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया|

प्रथम दिवस को विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. ओमप्रकाश मरकाम ने नेट की संपूर्ण पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला | साथ ही तोरण लाल साहू ने भी नेट सेट पर व्याख्यान दिया | इसी तरह प्रो. हलेश कुमार, डॉ. निखत खान, डॉ. चंद्रकांता, दीपक कुमार, एवं संजय सप्तर्षि द्वारा भी नेट/सेट पर जानकारी दिया गया। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा नेट/सेट एवम शोध प्रविधि पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर के निर्देशन में एवं विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा द्वारा नेट/सेट एवम शोध प्रविधि पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। दिनांक 16.10.2023 को इस कार्यशाला के प्रथम दिवस पर विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो ओमप्रकाश मरकाम, सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान विभाग एवं प्रो. तोरण लाल साहू, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, शासकीय महाविद्यालय, थानखमरिया, जिला बेमेतरा रहे।अतिथियों का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का आरंभ प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर के उद्बोधन से हुआ। प्राचार्य ने कहा कि स्नातकोत्तर स्तर के सभी विद्यार्थीयों को नेट/सेट का एग्जाम जरूर देना चाहिए और इसके लिए आपको अलग से कोचिंग क्लास करने की आवश्यकता नहीं है आप अपने पाठ्यक्रम को ही अच्छी तरह से पढ़ते है तो आप निश्चित ही सफल हो सकते है। उन्होंने राजनीति विज्ञान विभाग को इस कार्यशाला के आयोजन हेतु शुभकामनाएं भी दी। विषय विशेषज्ञ प्रो ओमप्रकाश मरकाम ने नेट के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला और कहा कि यदि आप

निरंतर प्रयास करते रहेंगे तो आप ये परीक्षा जरूर पास कर लेंगे। बस आप को पाठ्यक्रम का सूक्ष्म अध्ययन करना आवश्यक है। उन्होंने नेट सेट के लिए आवश्यक आहर्ता का भी उल्लेख किया एवं नेट सेट में अंतर भी बताया। वही प्रो तोरण लाल साहू ने शोध प्रविधि पर व्याख्यान देते हुए बताया कि नेट सेट के प्रथम प्रश्न पत्र के लिए शोध प्रविधि अनिवार्य है वही भविष्य में आप को पी एच डी करने एवम सहायक प्राध्यापक बनने के लिए शोध की बारीकियों को समझना आवश्यक है। उन्होंने प्राथमिक व द्वितीयक स्रोतों की चर्चा भी की। कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय सप्तर्षि ने किया। उक्त कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता श्री दीपक कुमार तथा स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह कार्यशाला ऑफलाइन व आनलाइन दोनो माध्यमों से आयोजित की जाएगी एवं छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक विद्यार्थियों को नेट/ सेट एवम शोध प्रविधि की जानकारी देंगे।

नेट/सेट हेतु पाठ्यक्रम का सूक्ष्म अध्ययन करें-प्रो. ओमप्रकाश

<u>संविधान दिवस</u> - 26 नवंबर 2023 को संविधान दिवस पर प्रस्तावना का सामुहिक पाठन हुआ एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें 100 से अधिक छात्र - छात्राओं ने भाग लिया।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संविधान दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करवाया एवम उन्हें संविधान में निहित आदर्शो व मूल्यों से अवगत करवाया। उन्होंने ने अपने उदबोधन में कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जिन शब्दो का प्रयोग हुआ है वे सभी महत्वपूर्ण है जो भारतीय जनता को यह बतलाता है कि भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष देश है सभी भारतीय समान है, उन्हें सामाजिक,आर्थिक, राजनीतिक न्याय प्राप्त है साथ ही सभी को विचार अभिवक्ति, विश्वास, धर्म उपासना की स्वतंत्रता प्राप्त है।उन्होंने संविधान दिवस की प्रासंगिकता के बारे कहा कि आज भी संवैधानिक मूल्य एवं दर्शन भारतीय राजनीति का पथ प्रदर्शक है। ज्ञात हो की संविधान दिवस की शुरुवात 26 नवंबर 2015 से हुई है।उक्त अवसर पर संविधान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसमें करीब 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमे गीतांजलि सिन्हा, सुरेखा सोरी व लोकेंद्र को क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

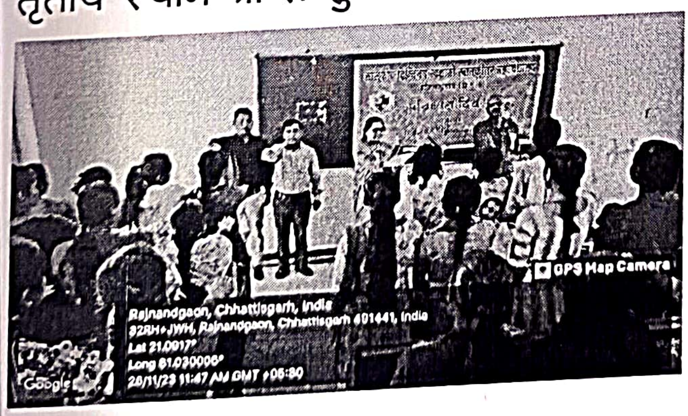

<u>शिक्षक-पालक बैठक</u> - दिनांक 08/12/2023 को कांफ्रेंस हॉल में शिक्षक-पालक बैठक संपन्न हुआ।राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक पालक बैठक का आयोजन शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक पालक बैठक आयोजित किया गया। उक्त बैठक में विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने उपस्थित पालकों का स्वागत किया तथा उन्हें विभाग से संबंधित जानकारी प्रदान की साथ ही उन्होंने पलको से आग्रह भी किया की वे विभाग को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी दे। पालकों ने विभागीय गतिविधियों एवम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्रशंसा की। उक्त बैठक में श्री ईश्वर श्रीवास,श्री सी एस ठाकुर,श्रीमती मंजू देवांगन,श्रीमती माधुरी मार्को,श्री वीर पाठक आदि पालक गण उपस्थित रहे।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक पालक बैठक का आयोजन

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक पालक बैठक आयोजित किया गया। उक्त बैठक में विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने उपस्थित पालकों का स्वागत किया तथा उन्हें विभाग से संबंधित जानकारी प्रदान की साथ ही उन्होंने पलकों से आग्रह भी किया की वे विभाग को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी दे। पालकों ने विभागीय गतिविधियों एवम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्रशंसा की। उक्त बैठक में श्री ईश्वर श्रीवास,श्री सी एस ठाकुर,श्रीमती मंजू देवांगन,श्रीमती माधुरी मार्को,श्री वीर पाठक आदि पालक गण उपस्थित रहे।

<u>एलुमनी बैठक</u> - दिनांक 6/12/2023 को भूतपूर्व छात्र - छात्राओं का सम्मेलन हुआ जिसमें कु. रोशनी, कु. श्रेया, कु. शिवानी, सचिन, समीर भारती आदि ने अपनी विचार व्यक्त किए।

<u>नागरिक सुरक्षा दिवस</u> - 6 दिसंबर को नागरिक सुरक्षा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. हेमंत नंदागोरी सहायक प्राध्यापक शास. छत्तीसगढ़ महाविद्यालय (रायपुर) उपस्थित रहे। नागरिक सुरक्षा पर। व्याख्यान दिया एवं नागरिकों की सुरक्षा कैसे की जाती है उस पर व्याख्यान किया।

राजनीति विज्ञान विभाग में नागरिक सुरक्षा दिवस पर व्याख्यान

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में नागरिक सुरक्षा दिवस के अवसर पर दिनांक 6 दिसंबर को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. हेमंत नंदगौरी, सहायक प्राध्यापक, [illegible], शासकीय जे योगानंदम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत में इस दिवस की शुरुआत 1968 के सिविल डिफेंस अधिनियम के अंतर्गत 6 दिसंबर 1971 से हुई है। इस अधिनियम को लागू करने का कारण देश के नागरिकों को जागरूक करना है। उन्होंने आगे कहा कि एक देश का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा केवल बाहरी आक्रमण से ही न करे बल्कि उन अन्य चीजों से भी करे जो नागरिकों की सुरक्षा खतरे में डाल सकते है जैसे प्राकृतिक आपदाएं, महामारी, भुखमरी, गरीबी आदि इन सभी से देश के नागरिकों की सुरक्षा करें क्योंकि सुरक्षा की अवधारणा बहुत व्यापक है। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि के स्वागत से हुई। कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय [illegible] ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजकुमार बंजारे ने किया।

विभागीय स्वच्छता - एम.ए. के विद्यार्थियों के द्वारा प्रति बुधवार एवं शनिवार को विभाग की स्वच्छता पर कार्य किया जाता है।

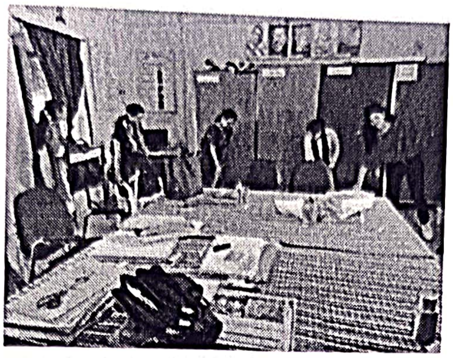

विस्तार गतिविधि - दिनांक 10/01/2024 को शा. उ. मां.आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय में NEP 2020 की विस्तृत जानकारी स्कूल के विद्यार्थी,प्राचार्य एवं प्राध्यापक आदि शामिल थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से कौशल विकास एवम मूल्य वर्धित शिक्षा पर बल

राजनांदगांव, शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में एवं राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के कुशल निर्देशन में विस्तार गतिविधि के अंतर्गत स्टेट हाई स्कूल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रचार प्रसार किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विस्तार से चर्चा करते हुए श्री संजय सप्तर्षि, सहायक प्राध्यापक,राजनीति विज्ञान, ने विद्यालय में उपस्थित छात्र/छात्राओ को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा इस शिक्षा नीति के उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में सकल अनुपात दर को बढ़ाना,मल्टीपल एंट्री और

एग्जिट के द्वारा शिक्षा को सरल एवं सुगम बनाना, साथ ही किसी भी विषय का विद्यार्थी कोई भी विषय लेकर पढ़ सकता है जैसे मानविकी, कला या समाज विज्ञान विषय से संबंधित विद्यार्थी अपने रुचि के अनुरूप विज्ञान या वाणिज्य के विषय का चयन कर सकता है, उसी तरह विज्ञान या वाणिज्य का विद्यार्थी कला साहित्य के विषयो में भी निपुण हो सकता है। इस शिक्षा नीति का सबसे ज्यादा जोर कौशल विकास एवम मूल्य वर्धित शिक्षा पर है क्योंकि विद्यार्थी कौशल विकास से स्वरोजगार के अवसर ढूंढ सकता है और मूल्य वर्धित शिक्षा से मानवीय मूल्यों को समझ सकता है,आगे उन्होंने ये भी बताया कि जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर आधारित यह पाठ्यक्रम लागू हो चुका है तथा 12वी पास कोई भी विद्यार्थी मेरिट के आधार पर प्रवेश ले सकता है।उक्त अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ पट्टा का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र एवम प्रतीक चिन्ह राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के 12वी कक्षा के बहुत से विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विभाग की उपलब्धि -

1. गीतांजलि - Inter College Competition 2024 में प्रथम स्थान
2. सुरेखा सोरी - Inter College Competition 2024 में द्वितीय स्थान
3. अंकिता - NCC में C प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
4. समीर भारती - UGC NET JRF (2023) पास
5. भारती सोनी - UGC NET (2023) पास
6. सोनम यादव - खेलो इंडिया प्रतियोगिता (2023) (वेटलिफ्टिंग)